वर्ष: 1 अंक: 02 , 15 नवम्बर, बुधवार 2017, सूरत, मो. 9879141480
4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात
Tc. No. : GUJHIN 00722
संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या
हिन्दी साप्ताहिक
पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

2 संदेह की पूरी गुंजाईश
3 सोनू सूद संभालेंगे कामेडी दंगल ....
4 रांदेर में 45 हजार की चोरी

सार समाचार

महिलाओं, दोपहिया वाहनों को छूट दे एनजीटी : दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने ग्रीन ट्रिब्यूनल में सोमवार को पुर्नविचार याचिका देकर आड इवन पग्राली लागू करने पर इससे दो पहिया वाहनों के साथ महिलाओं को भी छूट देने की मांग की। दिल्ली सरकार ने इन दो कैटगरी को छूट के साथ आड इवन लागू करने की घोषणा पिछले सप्ताह की थी, लेकिन ट्रिब्यूनल की मनाही के बाद आड इवन नहीं लागू किया गया। अब दिल्ली सरकार ने पुर्नविचार याचिका दायर की है। यानि महिला व दोपहिया वाहनों को छूट मिलने के बाद ही आड ईवन योजना लागू करना चाहती है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने स्वीकार किया था कि पर्याप्त संख्या में बसों का अभाव है। यादि दोपहिया वाहन को छूट न मिलने से बड़ी संख्या में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

शिया वक्फबोर्ड ने कहा- श्री राम की नगरी है अयोध्या, मंदिर वहीं बनना चाहिए

इलाहाबाद। शिया वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष वसीम रिजवी ने कहा है कि अयोध्या भगवान राम की जन्मस्थली है और दोनों समुदाय के लोगों को आपसी सहमित से इस धार्मिक नगरी में राम मंदिर बनाने का प्रयास करना चाहिए। रिजवी ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि से अल्लापुर स्थित बाघम्बरी गद्दी मठ में ये बाते कहीं। उन्होंने कहा कि ऐसा होने से देश की एकता और अखंडता मजबूत होगी। सोमवार को वसीम रिजवी पत्रकारों से मुखातिब हुए और कहा कि दोनों समुदाय के लोगों को धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए बातचीत कर अयोध्या में मंदिर-मस्जिद विवाद निपटाने का प्रयास करना चाहिए। भारत विश्व में एकता और अखंडता के लिए जाना जाता है। इसके साथ ही रिजवी ने कहा, 'धर्म के नाम पर यहां राजनीति कर अब देश की अखंडता को भंग करने का प्रयास किया जा रहा है। इसे बचाने के लिए यह पहल जरूरी है।' वहीं अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि ने कहा कि इस मुद्दे पर जल्द ही मसौदा तैयार कर दोनों पक्षों की ओर से कोर्ट में पेश किया जाएगा।

हवाई अड्डे पर व्हीलचेयर से गिरकर महिला यात्री घायल

नई दिल्ली। इंडिगो की एक महिला यात्री को एयरलाइन के कर्मचारी द्वारा व्हीलचेयर पर ले जाते समय उसके गिरने की घटना को भारतीय हवाईअड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने बड़ी लापरवाही बताया है। लखनऊ हवाई अड्डे पर हुई इस घटना को लेकर एएआई और एयरलाइंस के बीच विवाद छिड़ गया है।यह घटना शनिवार को रात आठ बजे हुई। इंडिगो का दावा है कि हवाई अड्डे पर जमीन में चटक की वजह से यह हादसा हुआ। वहीं एएआई का कहना है कि इंडिगो के कर्मचारी की गंभीर लापरवाही की वजह से यह दुर्घटना हुई। एक बयान में इंडिगो के प्रवक्ता ने यात्री उर्वशी पारीख वीरेन के साथ हुई दुर्घटना के लिए माफी मांगी है। इस मामले से पहले इंडिगो हवाई सेवा एक यात्री के साथ बदसलूकी करने के मामले में सुर्खियों में आई थी और इसके लिए एयरलाइंस ने माफी मांगी थी। ताजा घटना पर इंडिगो प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो यात्री को आगंतुक कक्ष की ओर व्हीलचेयर से ले जाया जा रहा था। जब कर्मचारी गाड़ियों की लेन से गुजर रहा था तभी फर्श पर दरार की वजह से उसका संतुलन बिगड़ा और महिला व्हीलचेयर से नीचे गिर गई। गिरने से यात्री घायल हो गई। उसे तुरंत एएआई के डाक्टर के पास ले जाया गया और प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध कराई गई।वहीं लखनऊ हवाईअड्डे का परिचालन करने वाली एएआई ने सोमवार को एक बयान में कहा कि जांच के अनुसार दुर्घटना का कारण इंडिगो के कर्मचारी की लापरवाही है क्योंकि उसने पक्की सड़क पर गलत रास्ते को चुना।

शादी का झांसा देकर पुलिस इंस्पेक्टर ने किया महिला के साथ रेप

इलाहाबाद। शाहगंज थाने में तैनात एक दरोगा के खिलाफ करेली की महिला ने शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया है। जानकारी के मुताबिक फतेहपुर तबादला होने के बाद दरोगा ने महिला से दूरी बना ली थी। सोमवार को पीड़िता ने दरोगा का वीडियो और फोटो दिखाकर इंसाफ की गुहार लगाई। एसएसपी के आदेश पर करेली पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। करेली की एक महिला प्राइवेट बैंक में नौकरी करती है। 2008 में उसका किसी से विवाद हुआ था। महिला ने शाहगंज पुलिस से मदद मांगी थी। उस वक्त शाहगंज थाने में तैनात दरोगा नरेन्द्र सिंह ने उसकी मदद की।

पहरण के आरोपी यूपी के विधायक का पौड़ी कोर्ट में सरेंडर, जेल भेजा

पौड़ी। करीब चार साल पूर्व यूपी के जिला पंचायत चुनाव के दौरान जिला पंचायत सदस्यों के अपरहण के आरोपी और यूपी के नगीना से विधायक मनोज पारस ने आखिरकार पौड़ी मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में सरेंडर कर दिया है।

कोर्ट ने जमानत अरजी को खारिज करते हुए अपहरण के आरोपी विधायक मनोज पारस को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। मामले की अगली सुनवाई की तिथि 17 नवंबर नियत है। आरोपी विधायक मनोज पारस के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी हुए थे। उत्तराखंड के पौड़ी जिले के थाना लक्ष्मणझूला क्षेत्र में 2013 में बिजनौर के जिला पंचायत सदस्यों के अपहरण सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज हुआ था। आरोप था कि 17 जनवरी 2013 की रात को लक्ष्मणझूला के एक होटल में ठहरे जिला पंचायत सदस्यों के कमरों में जबरन घुसकर उनके साथ मारपीट व गाली-गलौज की गई।

इस मामले में वारंटी विधायक मनोज पारस ने मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पौड़ी की अदालत में सरेंडर कर दिया। नामित अधिवक्ता जय दर्शन बिष्ट ने बताया कि विधायक के विरुद्ध गैर जमानती वारंट जारी हुए थे। कोर्ट ने

जमानत अरजी खारिज करते हुए मनोज पारस को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। इससे पूर्व यूपी सरकार के पूर्व मंत्री मूलचंद चौहान सहित पूर्व सांसद नगीना यशवीर धोबी, तत्कालीन जिला पंचायत अध्यक्ष नसरीन सैफी के पति रफी सैपी आदि सपा नेताओं को भी कोर्ट में सरेंडर करना पड़ा था।

मनोज पारस की गिरफ्तारी को पुलिस ने दी थी दबिश

पौड़ी। जिला पंचायत सदस्यों के अपहरण के बहुचर्चित इस मामले में यूपी पुलिस के साथ उत्तराखंड पुलिस ने वारंटी विधायक मनोज पारस के आवास पर दबिश भी थी। बिजनौर जिले के लोग इस मामले को भूल गए थे, लेकिन उत्तराखंड पुलिस की दबिश कार्रवाई से तब यह मामला एक बार फिर चर्चाओं में आ गया।

इस मामले में जिला पंचायत सदस्य पवन कुमार के बेटे रोहित कुमार ने लक्ष्मणझूला में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। इस बीच उत्तराखंड पुलिस ने भी जिला पंचायत सदस्यों के अपरहण के इस बहुचर्चित मामले में मनोज पारस की गिरफ्तारी के लिए नगीना पुलिस के साथ दबिश भी दी थी। हालांकि तब नैनीताल हाईकोर्ट द्वारा गिरफ्तारी पर रोक के आदेश दिखाने पर दबिश देने गई पुलिस वापस हो गई।

भाजपा गंगा की कसम खाकर भूल जाती है जनता के वादे- अखिलेश यादव

कानपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा के संकल्प को झूठ का घोषणापत्र करार दिया है। उन्होंने कहा, भाजपा का यह तीसरा झूठ पत्र है जो जनता के सामने आया है। अखिलेश यहां स्टेटस क्लब में संवाददाताओं से मुखातिब थे।

अखिलेश ने कहा, भाजपा गंगा के नाम पर झूठ बोलती है। सिर्फ काली नदी ही साफ हो जाए तो बड़ा काम होगा। सपा सरकार ने गोमती और वरुणा को क्लीन करने का काम किया है। योगी सरकार जनता के साथ वैसा व्यवहार कर रही है जैसे रावण ने किया था। वह भी भेष बदलकर आया था मगर उसका अंत बड़ा बुरा हुआ है। उन्होंने कहा कि सपा ने जो अपने घोषणा पत्र में वादे किए उससे कई गुना अधिक काम किया। सभी वादे तीन वर्ष में पूरे किए और यूपी में भाजपा अपने 8 माह के कार्यकाल में घोषणा पत्र की दिशा में एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पाई। जनता को यह जानना चाहती है कि नोटबंदी से आखिर क्या मिला? उन्होंने कहा, चित्रकूट में क्या हुआ? जनता ने झूठ पकड़ लिया और वहां भाजपा को शिकस्त खानी पड़ी। गुजरात में भी जनता झूठ पकड़ चुकी है। कानून व्यवस्था पर यूपी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा, थाने में हत्या हो रही है, पुलिस खुद सुपारी ले रही। जेल में बंदियों की हत्या हो रही। कानून का जंगलराज है। इस मौके पर पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्र, सपा की मेयर प्रत्याशी माया गुप्ता, नगर अध्यक्ष हाजी फ जल महमूद, ग्रामीण सपा

जिलाध्यक्ष महेन्द्र सिंह यादव, विधायक अमिताभ वाजपेई, पूर्व विधायक सतीश निगम,पूर्व सांसद राकेश सचान,पूर्व नगर अध्यक्ष पं. ओम प्रकाश मिश्र, अम्बर त्रिवेदी पूर्व मंत्री शिव कुमार बेरिया आदि मौजूद थे।

स्वच्छता अभियान पर भी निशाना

अखिलेश ने कहा, जनता का ध्यान हटाने के लिए भाजपा के लोग मुंह में मॉस्क, हाथ में दस्ताने और झाड़ू लगाकर सड़क पर जुट जाते हैं। इसे जनता समझ रही है।

दिवाली-रमजान पर बिजली पर भरमाया

पूर्व सीएम ने कहा कि रमजान और दिवाली में बिजली के नाम पर भाजपा ने झूठ का सहारा लिया। सपा ने भरपूर बिजली दी। भाजपा कितना बिजली दे रही है? यह बता दे? अब भाजपा नफरत का विकास कर रही है।

सपा शासन में कानपुर में हुए विकास

अखिलेश ने सपा शासन में हुए विकास कार्य भी गिनाया।

पुलिस ने बरामद किया हथियारों का जखीरा, 2 गिरफ्तार

इलाहाबाद। निकाय चुनाव में हथियारों को खपाने की फिराक में लगे दो तस्करों को एसटीएफ ने सोमवार को गिरफ्तार किया। ये लोग शहर में अब तक 200 पिस्टल सप्लाई कर चुके हैं। उनके पास से यूएसए व इटली मेड पांच पिस्टल, एक तमंचा, 10 मैगजीन और 50110 रुपये बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपितों ने उन लोगों के नाम का भी खुलासा किया है जिनको कुछ सालों से सैकड़ों असलहे सप्लाई करते रहे हैं।

एसटीएफ के एडिशनल एसपी प्रवीण सिंह चौहान ने बताया कि निकाय चुनाव में असलहा तस्करी की सूचना पर टीम सक्रिय थी। सोमवार को इंस्पेक्टर अतुल सिंह ने जीआईसी के पास से नॉर्थ मलाका निवासी सिरादउद्दीन उर्फ पप्पू और चंदौली निवासी अशोक सिंह उर्फ टुल्लू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि पप्पू जार्जटाउन के असलहा तस्कर श्रवण राय के साथ मिलकर काम करते थे।

बाद में वाराणसी के आशीष सिंह से असलहे लेकर शहर में सप्लाई करने लगे। आशीष सिंह के कहने पर अशोक इलाहाबाद में पप्पू को असलहा देता था। पप्पू यूएसए मेड पिस्टल 25 हजार रुपये में बेचता था।

एसटीएफ की मानें तो कुछ सालों में पकड़े गए असलहा तस्करों ने इलाहाबाद के छात्रों को 60 पिस्टल बेची हैं। छात्रों के अलावा नैनी के गैंगस्टर पप्पू गंजिया के साथी जाने आलम को 10, गोलू को 25, आकाश पहाड़ी को 15, टार्जन को 5, करेली के आलिम को 15 पिस्टल सप्लाई कर चुका है।

एसटीएफ की पूछताछ में पता चला है कि वाराणसी का आशीष सिंह बिहार के औरंगाबाद से यूएसए मेड पिस्टल मंगाता था। औरंगाबाद में रणवीर सेना की सक्रियता के बारे में भी पता चला जो पहले नक्सलियों के साथ जुड़ी थी। अब वे असलहों की तस्करी करते हैं। इस मामले में एसटीएफ का कहना है कि वाराणसी के आशीष के पकड़ में आने के बाद राज खुलेगा।

यूपी निकाय चुनाव:

योगी ने फूंका प्रचार अभियान का बिगुल, किया जय श्री राम का उद्घोष

योगी ने भाषण का समापन करते हुए कहा, 'अपनी वाणी को देता हूं विराम, जय जय श्रीराम।' उनके यह कहते ही सभा में मौजूद लोग भी जय श्रीराम के नारे लगाने लगे।

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगरीय निकाय चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत अयोध्या से करते हुए मंगलवार को सभा में 'जय जय श्रीराम' का उद्घोष कर प्रखर हिन्दुत्व का संदेश दे दिया।

योगी ने भाषण का समापन करते हुए कहा, 'अपनी वाणी को देता हूं विराम, जय जय श्रीराम।' उनके यह कहते ही सभा में मौजूद लोग भी जय श्रीराम के नारे लगाने लगे। राजनीतिक प्रेक्षक मानते हैं कि राज्य में 653 नगर निकाय हैं, लेकिन योगी ने प्रचार अभियान की शुरुआत यहां से कर यह संदेश दे दिया कि अयोध्या के प्रति भाजपा और उनकी सरकार काफी गंभीर है। कुछ लोग इसे हिन्दुत्व से भी जोड़कर देख रहे हैं। अयोध्या के ही रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता राजेन्द्र प्रताप सिंह का कहना है कि भाजपा अयोध्या मुद्दे को सुर्खियों में बनाये रखना चाहती है, इसीलिये उसके कई नेता मौका मिलते ही राम या राम मंदिर निर्माण के सम्बन्ध में बोलने लगते हैं। योगी ने कहा कि अयोध्या के कारण ही देश दुनिया में दीपावली की शुरुआत हुई, लेकिन अयोध्या में ही यह त्यौहार समाप्ति की कगार पर था। उन्होंने तय किया था कि इस बार दीपावली में उनकी पूरी सरकार अयोध्या में रहेगी। इसका पालन करने के साथ ही 135 करोड़ रुपये की योजनाओं का शिलान्यास किया गया। निकाय चुनाव के बाद और योजनायें शुरु की जायेंगी। उन्होंने कहा कि सात पवित्र नगरी में पहली पुरी के रुप में जानी जाने वाली अयोध्या को अन्तराष्ट्रीय पहचान दिलाया जायेगा और इसके लिये उसी के अनुरुप विकास किया जायेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि नगर निकायों में 15 वर्षों तक पैसों का बंदरबाट किया गया।

ठेके नगर विकास मंत्री के लखनऊ स्थित आवास से बांटे गये। जनता को सुविधाओं से वंचित किया गया। नगर निकायों की स्वतंत्रता पर प्रहार किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे तो तीस फीसदी आबादी नगर निकाय क्षेत्रों में रहती है, लेकिन शेष 70 फीसदी आबादी की निर्भरता नगर इकाईयों के ईद गिर्द रहती है। केन्द्र और राज्य सरकार चाहते हैं कि नगर निकायों का समग्र विकास हो। दोनों सरकारों से आने वाला पैसों का उपयोग जनता के हित में हो। इसके लिये भाजपा के ही बोर्ड का गठन होना चाहिये।उन्होंने कहा कि शुद्ध पेयजल, जल निकासी, बिजली, सड़क, एलईडी स्ट्रीट लाइट और सार्वजनिक कार्यक्रमों की दृष्टि से पार्कों आदि की अच्छी व्यवस्था के लिये सही बोर्डों का गठन जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उत्तर प्रदेश के कई शहरों को स्मार्ट सिटी के रुप में विकसित करवाना चाहते थे, लेकिन पूर्व राज्य सरकार ने

सहयोग ही नहीं दिया।

योगी ने आंकड़ा प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि पूर्व राज्य सरकार के असहयोग की वजह से प्रधानमंत्री आवास योजना का सटीक लाभ गरीब जनता को नहीं मिल सका। योगी ने कहा कि आवास योजना का लक्ष्य पाने के लिये शहरी निकायों में भाजपा का बोर्ड बनाना जरूरी है। उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का जमकर बखान किया।

उन्होंने कहा कि शहरी जनता छुट्टा गोवंश और अतिक्रमण से परेशान है। इसके लिये क्रमश: सभी 16 नगर निगमों में गौशालायें बनवायी जायेंगी तथा फेरी नीति लागू किया जायेगा। जिले के एक नगर निकाय को दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर आदर्श नगर निकाय घोषित किया जायेगा। इसी तरह वार्डों का भी चयन किया जायेगा। अयोध्या में 24 घंटे बिजली,पानी देना उनकी सरकार की प्राथमिकता है। दुनिया में मंदिरों के शहर के रुप में मशहूर अयोध्या में सफाई और प्रसाधन की सटीक व्यवस्था होनी चाहिये। सरयू नदी की आरती के साथ ही इसकी पवित्र धारा को प्रदूषण से हर हाल में बचाया जाना चाहिये।

उन्होंने चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनाये रखने के लिये अयोध्या और उसके आस-पास के वासियों से भाजपा को जिताने की अपील की। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 महेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि नगर निकायों में संकल्प पत्र को अक्षरश: लागू किया जायेगा।

नगर निकायों की निगरानी सरकार और संगठन दोनों करेंगे। संकल्प पत्र से इतर जाने पर संगठन और सरकार दोनों का 'डंडा' पदाधिकारियों पर चलेगा। उन्हें उम्मीद है कि अयोध्या नगर निगम के साथ ही करीब सभी नगर निकायों में भाजपा का झंडा लहरायेगा।

वर्ष 2017-18 के लिए 600 करोड़ का बजट मिलेगा दिल्ली विलेज विकास बोर्ड को

दिल्ली विलेज विकास बोर्ड की स्थापना को मंजूरी

गांवों में सड़क, तालाब, उद्यानों और खेल के मैदानों का निर्माण, पुस्तकालयों और व्यायामशालाओं की स्थापना, स्ट्रीट लाइट की देख-भाल करेगा विलेज बोर्ड विकास मंत्री होंगे विलेज विकास बोर्ड के पदेन अध्यक्ष, दो विधायक होंगे उपाध्यक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमंडल की सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिल्ली विलेज विकास बोर्ड की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। दिल्ली विलेज विकास बोर्ड की स्थापना दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड के स्थान पर की गई है।

दिल्ली विलेज विकास बोर्ड के लिए वर्ष 2017-18 के लिए 600 करोड़ रपए की धनराशि निर्धारित की गई है, जबकि पिछले वर्ष यह धनराशि 132 करोड़ रपए थी। अब दिल्ली विलेज विकास बोर्ड राजधानी के शहरीकृत और ग्रामीण दोनों ही प्रकार के गांवों में विकास कायरे की देखभाल करेगा।

यह बोर्ड गांवों में संपर्क सड़कों के निर्माण, गांवों में लिंक रोड का निर्माण, तालाबों और जल निकायों का विकास, श्मशान के स्थलों का विकास, उद्यानों और खेल के मैदानों का निर्माण, पुस्तकालयों और व्यायामशालाओं की स्थापना, चौपाल, बारात घर और सामुदायिक केंद्रों का विकास, पीने के पानी और स्ट्रीट लाइट के कायरें की देख-भाल जैसे कार्य करेगा।दिल्ली सरकार के विकास मंत्री विलेज विकास बोर्ड के पदेन अध्यक्ष होंगे और उनके अधीन सरकार द्वारा नामित दो विधायक उपाध्यक्ष बनाए जाएंगे।

दिल्ली के सभी मंत्रीगण, सभी सांसद, सभी विधायक, एमसीडी के सभी क्षेत्रीय अध्यक्ष, दिल्ली के मुख्य सचिव और कई अन्य अधिकारी बोर्ड के सदस्य होंगे। इसके अतिरिक्त, दिल्ली विलेज विकास बोर्ड गांवों के आधारभूत सव्रेक्षण के लिए सुविधाएं उपलब्ध कराने, सुविधाओं की आवश्यकता का मूल्यांकन करने और विकास कायरे के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करने में सहायता प्रदान करने के लिए ग्राम विकास समितियों (वीडीसी) का गठन किया जाएगा।

प्रत्येक ग्राम विकास समितियों में 21 सदस्य होंगे जिनका चयन स्थानीय विधायक करेंगे। ये सभी सदस्य स्वैच्छिक आधार पर पूरी तरह से कार्य करेंगे। विलेज डेवलपमेंट कमेटी (वीडीसी) और विधायकों के बीच बेहतर समन्वय के लिए 16 सदस्यीय समन्वय समिति गठित की जाएगी। इस समन्वय समिति के अध्यक्ष और एक सह-अध्यक्ष बनाए जाएंगे, जो दिल्ली विलेज विकास बोर्ड के दो स्वतंत्र सदस्य होंगे। इस समन्वय समिति के सदस्य किसी भी पारिश्रमिक के लिए हकदार नहीं होंगे।

असाधारण प्रतिभा को चमत्कारिक वरदान की आवश्यकता नहीं होती और साधारण को अपनी त्रुटियों की इतनी पहचान नहीं होती कि वह किसी पूर्णता के वरदान के लिए साधना करे-महादेवी वर्मा

सुर्खियों में बयान

पूर्व मुख्यमंत्री फारुक अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के बारे में कई बार ऐसे बयान देते हैं, जिनका विवादास्पद बनना स्वाभाविक है। इस समय उनका यह बयान सुर्खियों में है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) पाकिस्तान का है और उसके पास ही रहेगा। यह बयान संसद के उस संकल्प के विरु द्ध है, जिसमें पीओके को हर हाल में वापस लेने की बात कही गई है। ऐसे बयान से देश भर में गुस्सा पैदा होता है, क्योंकि कोई भारतीय सामान्यत: यह स्वीकार करने को तैयार नहीं होगा कि कश्मीर के जिस भाग को पाकिस्तान ने बरसों पहले जबरन कब्जा कर लिया उसे उसके पास ही छोड़ दिया जाए। वे पाकिस्तान के पास नाभिकीय अस्त्र होने की बात करते हैं। क्या भारत के पास नाभिकीय अस्त्र नहीं है? क्या इसके डर से हम अपने भूभाग की अखंडता को पूर्ण करने का प्रयत्न नहीं करेंगे? जब एक बार महाराजा हरि सिंह ने संपूर्ण जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया तो फिर उसका सम्मान पाकिस्तान को भी करना चाहिए था। इसलिए फारुक ऐसा बयान क्यों दे रहे हैं यह समझना मुश्किल है? इसके पहले वे गुस्से में प्रश्न की शैली में यह भी बोल चुके हैं कि क्या पीओके आपके बाप का है? इसके जवाब में देश भर से आवाज आई कि हां वह कश्मीर हमारे बाप का है। उन्होंने यह भी कहा कि कश्मीर के मौजूदा हालात के लिए भारत जिम्मेवार है, जिसने कश्मीरियों के साथ ठीक बर्ताव नहीं किया। उनके अनुसार कश्मीरियों ने प्रेम, जम्हूरियत व अपनी पहचान की गारंटी के लिए हिन्दुस्तान का विलय किया था लेकिन हिन्दुस्तान ने कश्मीरियों की कद्र नहीं की और हालात बिगड़ गए। उनसे यह पूछा जाएगा कि भारत ने कश्मीरियों के कद्र करने में कहां कमी की? फारुख स्वयं और उनके पिता से लेकर पुत्र तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं। अगर उन्हें लगा कि भारत कश्मीर के साथ ठीक व्यवहार नहीं कर रहा है तो उन्होंने क्या किया? फारुक और उमर अब्दुल्ला तो प्रदेश निकलकर केंद्र तक में मंत्री बने। ऐसे व्यक्ति का इस तरह का बयान कृतघ्नता की श्रेणी का माना जाएगा। यह अलगावादियों की भाषा है, जिसे फारुख आवाज दे रहे हैं। किसी प्रदेश की जनता की वाजिब शिकायतें अलग बात है और यह कहना कि कश्मीर के साथ भारत का व्यवहार ठीक नहीं था; प्रदेश को अलग तरह का और विशिष्ट मानने की ओर इंगित करता है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते।

''पल में तोला, पल में माशा'

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ऐसे ही मौत की भट्ठी में तब्दील नहीं हो रहा है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में पर्यावरण को लेकर संजीदा न होना और बात-बात पर सियासी पैतरा अख्तियार करने का ही नतीजा है कि आज यह पूरा इलाका साफ-सुथरी हवा लेने को तरस रहा है। बेहद खतरनाक हो चुके हालात के बावजूद किसी भी दल ने राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्य हितों की बात नहीं की है। लेकिन सबसे ज्यादा किरकिरी दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने कर रखी है। पिछले सात-आठ दिनों से दम घुटने के माहौल से निजात पाने के लिए एक अदद योजना तक इस सरकार के पास नहीं है। थक-हार कर वही पुराना ऑड-ईवन का फामरूला लाने के कुछ ही देर बाद उसे वापस लेना इसी तय को उजागर करता है कि दिल्ली सरकार के एजेंडे में जनता की परेशानी और उसके निदान के उपाय नहीं हैं। ठीक है, राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने ऑड-ईवन में दोपहिया वाहनों और महिलाओं को भी शामिल करने का निर्णय दिया लेकिन एनसीआर की मौजूदा स्थिति को देखें तो ऐसे कठिन विकल्पों को आजमाना ही समझदारी है। जहां तक बात सार्वजनिक परिवहन पर पड़ने वाले दबाव की है, तो दिल्ली सरकार को शासन किए भी तीन साल का वक्त हो चुका है। लेकिन उसने इस ओर से आंखें मूंद रखी थी। ''पल में तोला, पल में माशा' वाली कहावत दिल्ली सरकार पर भी लागू होती है। किसी एक निर्णय पर पहुंचना और उसपर दृढ़ होना सियासी तौर पर समझदार सरकार की निशानी होती है। इसे वापस लेने से साफतौर पर यही प्रतीत होता है कि सरकार ने बहुमूल्य तीन साल में सिर्फ वक्त ही बर्बाद किया है। सार्वजनिक परिवहन की स्थिति बद-से-बदतर हो चुकी है। महज महिला सुरक्षा की आड़ लेकर किसी निर्णय को रद्द करना और दूसरे दलों पर आरोप मढ़ने का नुकसान फौरी तौर पर भले पर्यावरण पर पड़े परंतु लंबे समय में यह उस सरकार का है, जो अपनी कमियां छिपाने के नित नये उपाय करती है। अलबत्ता अब और समय बर्बाद किए बिना हर किसी को आगे आकर प्रदूषण को मिटाने का संकल्प और जिजिविषा दिखानी होगी, वरना आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी।

सत्संग

आनंद और सफलता

व्यक्ति ऐसा नहीं है जो कभी गलतियां न करता हो, लेकिन अपनी गलतियों को हम स्वयं नहीं समझ पाते। जब कोई दूसरा हमारी गलतियों की तरफ ध्यान दिलाता है, तब हमें उन्हें देखने का मौका मिलता है और हम उनमें सुधार करने की कोशिश करते हैं। हमारे लिए समालोचना बहुत अच्छी चीज है। समालोचना हमारे दोष एवं खामियों को देखने और उनको सुधारने में हमारी मदद करती हैं। यानी यह हमारे अपने बारे में अनसुलझे प्रश्नों को खोजने में मदद करती है। समालोचना नई संभावनों और नये विचारों को जन्म देती है। यह समस्या को सुलझाने के हमारे कौशल को भी बढ़ा सकती है। इसी तरह समालोचना हमें उन छोटे-छोटे मुद्दों की चिंता न करना भी सिखाती है, जो वास्तव में हमारे लिए महत्त्वपूर्ण नहीं हैं। कुल मिलाकर समालोचना हमारी खुशी, शांति, आनंद और सफलता के क्षणों को जीने के अवसरों में बढ़ोतरी करती है। कहा गया है कि जो आपकी निंदा करते हैं, उन्हें अपने आंगन में कुटी बनवाकर रखना चाहिए। ये निंदा करने वाले ही एक प्रकार के समालोचक हैं। ये हमारी कमियां बताकर बिना साबुन और पानी के हमारे स्वभाव को साफ करते हैं। ऐसे में हमारे अंदर यह भावना कभी नहीं आनी चाहिए कि कोई दूसरा व्यक्ति हमें सीख कैसे दे सकता है? ऐसा सोचने वाले व्यक्ति स्वयं अपना ही नुकसान कर लेते हैं। अपनी आलोचना किसी को भी अच्छी नहीं लग सकती है, लेकिन समझदार व्यक्ति अपने कौशल से अपनी आलोचना को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल कर लेते हैं। ऐसे व्यक्ति आलोचना को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते हैं, बल्कि इसे एक अवसर में बदल देते हैं। वैसे कुछ लोग आदतन आलोचक होते हैं और वे हमेशा दूसरे के क्रियाकलापों पर अनावश्यक या नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे लोग खुद से ही असंतुष्ट होते हैं, इसलिए उन्हें दूसरों में भी दोष ही दिखाई देते हैं। हमें कभी भी बेवजह दूसरों की आलोचना नहीं करनी चाहिए, क्योंकि आपकी आलोचना व्यक्ति को जीवन के प्रति हतोत्साहित भी कर सकती है, जबकि समालोचना से व्यक्ति उत्साहित होकर नया जीवन प्राप्त कर सकता है। जब आपको यह कला आ गई कि कभी किसी की आलोचना नहीं करनी चाहिए, ताकि कोई दूसरा भी आपकी आलोचना कर पाए, तब आपके चाहने वालों की संख्या बहुत बढ़ जाएगी और जीवन में शांति और आनंद पैदा हो जाएगा।

संदेह की पूरी गुंजाइश

दुनिया भर के राजनेताओं, कलाकारों, व्यापारियों, कॉरपोरेट घरानों आदि के नाम हैं, जिनके बारे में धारणा यह बन रही है उन्होंने अपने देश से छिपाकर उन देशों में निवेश किए या कंपनियां बनाकर कारोबार किए जहां कर नहीं लगता या कम लगता है। सामान्य निष्कर्ष यह निकल सकता है कि ऐसे सारे लोग बेईमान हैं और इनके खिलाफकार्रवाई होनी चाहिए। 180 देशों की सूची बनाकर आईसीआईजे ने भारत को 19 वां स्थान दिया है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत का स्थान भले सबसे ऊपर नहीं है लेकिन काफी ऊपर है। कुल 714 भारतीयों के नाम होने का अर्थ भी यही है। पैराडाइज दस्तावेज सामने आने के साथ ही कुछ लोग याद दिला रहे हैं कि जब पनामा दस्तावेज में कुछ नहीं हुआ तो इसमें क्या हो सकता है?

सतीश पेडणोकर

वर्ष पहले हमारे सामने पनामा दस्तावेज आए थे और अब पैराडाइज है। दोनों में सनसनाहट का अंश एक समान है। किंतु सनसनाहट के अनुरूप ही इसके परिणाम भी आएंगे इसे लेकर संदेह की पूरी गुंजाइश है। ध्यान रखिए इंटरनेशनल कंसोर्टियम आफ इनवेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) ने ही पनामा दस्तावेज भी लीक किए थे और उसी ने पैराडाइज दस्तावेज भी सामने लाया है और वही जर्मन अखबार ''जीटॉयचे साइटुंग' ने इसे छापा है। इसमें दुनिया भर के राजनेताओं, कलाकारों, व्यापारियों, कॉरपोरेट घरानों आदि के नाम हैं, जिनके बारे में धारणा यह बन रही है उन्होंने अपने देश से छिपाकर उन देशों में निवेश किए या कंपनियां बनाकर कारोबार किए जहां कर नहीं लगता या कम लगता है। सामान्य निष्कर्ष यह निकल सकता है कि ऐसे सारे लोग बेईमान हैं और इनके खिलाफकार्रवाई होनी चाहिए। 180 देशों की सूची बनाकर आईसीआईजे ने भारत को 19 वां स्थान दिया है। इसका अर्थ यह हुआ कि भारत का स्थान भले सबसे ऊपर नहीं है लेकिन काफी ऊपर है। कुल 714 भारतीयों के नाम होने का अर्थ भी यही है। पैराडाइज दस्तावेज सामने आने के साथ ही कुछ लोग याद दिला रहे हैं कि जब पनामा दस्तावेज में कुछ नहीं हुआ तो इसमें क्या हो सकता है? पहली नजर में बात सही भी लग सकती है। किंतु यह पूरे मामले का एक पहलू है। कई बार पहली नजर में कोई तथाकथित खुलासा जितनी सनसनाहट पैदा करती है उसमें कानूनी कार्रवाई के तय उतने नहीं होते। जिन लोगों ने इन दस्तावेजों को बाहर लाने में परिश्रम किया है हम उनका महत्त्व कम नहीं कर रहे। यह दावा किया गया है कि इसमें उन फर्म और फर्जी कंपनियों के बारे में बताया गया है, जो दुनिया भर में अमीरों और ताकतवर लोगों का पैसा दूसरे देशों में भेजने में उनकी मदद करते हैं। लेकिन इन्होंने दस्तावेज प्रकाशित करने के साथ ही उसमें यह स्पष्टीकरण दिया है कि विदेशों में कंपनियों या न्यासों के पंजीकरण वैध कायदे से भी किया जाता है और इसमें किसी नाम आने का मतलब यह नहीं है कि संबंधित व्यक्ति या इकाई ने कानून का उल्लंघन किया ही है। आखिर ऐसा स्पष्टीकरण की इन्हें आवश्यकता क्यों पड़ी? अगर ये इसे भ्रष्टाचार मानते हैं तो इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। वस्तुत: इस एक पंक्ति के स्पष्टीकरण से पूरा मामला कमजोर हो जाता है। दूसरे, आईसीआईजे की वेबसाइट ने भी सभी लोगों और इकाइयों के नाम और ब्योरे भी जारी नहीं किए हैं। अगर वाकई इसमें 1 करोड़ 34 लाख दस्तावेज हैं तो इसका अध्ययन आसानी से नहीं हो सकता है। यह मानना उचित नहीं है कि भारत में इसका संज्ञान नहीं लिया गया है। वास्तव में पनामा दस्तावेजों की जांच कर रहे बहु एजेंसी समूह (एमएजी) को ही इसकी भी जांच सौंप दी गई है। यह केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष की अध्यक्षता वाला समूह है, जिसमें केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के दूसरे अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, रिजर्व बैंक और वित्तीय खुफिया इकाई के प्रतिनिधि शामिल हैं। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा है कि जैसे-जैसे उन्हें दस्तावेज हाथ लगेंगे वैसे-वैसे ही उनकी कार्रवाई आगे बढ़ सकती है। वित्त मंत्रालय की ओर से तत्काल विज्ञप्ति जारी कर कहा गया कि जिन लोगों या कंपनियों के नाम सामने आए हैं उनमें से कुछ पर पहले से ही नजर थी। इनमें से कुछ के खिलाफ काला धन विदेश में छिपाने को लेकर पहले से ही जांच चल रही है। इसके अलावा बाजार नियामक सेबी विभिन्न सूचीबद्ध कंपनियों और उनके प्रवर्तकों द्वारा कोष की कथित हेराफेरी और कंपनी संचालन में खामी की जांच करेगा। इसमें विजय माल्या से जुड़े प्रवर्तक शामिल हैं। पैराडाइज पेपर में माल्या का नाम भी शामिल है। अगर सूचीबद्ध कंपनियों और उनसे जुड़ी या उनके प्रवर्तकों के बारे में खुलासा किया जाता है तो यह देखा जाएगा कि कंपनी संचालन या खुलासा नियमों या कोष की हेराफेरी समेत कोई अनियमितता तो नहीं की गई। इस तरह दो प्रकार से इनकी जांच होगी। आयकर विभाग तो अपनी ओर से उनके रिटर्न की समीक्षा करेगा ही। जो जानकारी दी गई है उसके अनुसार बरमूडा की प्रतिष्ठित विधि सलाहकार कंपनी एप्पलबाय के कम्प्यूटर रिकॉर्ड से निकाले गए इन दस्तावेजों में करीब 70 लाख कर्ज समझौते, वित्तीय ब्योरे, ई-मेल, ट्रस्ट के कागजात और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। ये दस्तावेज करीब 50 साल के हैं। जरा सोचिए, क्या इसकी संपूर्ण जांच संभव भी है? 119 साल पुरानी कंपनी ऐप्पलबाय वकीलों, अकाउंटेंट्स, बैंकर्स और अन्य लोगों के नेटवर्क की एक सदस्य है। इस नेटवर्क में वे लोग भी शामिल हैं, जो अपने मुवक्किलों के लिए विदेशों में कंपनियां बनाते हैं और उनके बैंक खातों का प्रबंधन करते हैं। इनका दावा है कि ये कोई गैर कानूनी काम नहीं करते। हालांकि ये कानूनों का लाभ उठाकर निजी व्यक्तियों और कंपनियों को धन बचाने और छिपाने में मदद करते हैं इस सच से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता है। किंतु इनका गला पकड़ना अत्यंत कठिन है। यहां यह जानना भी जरूरी है कि ऐप्पलबाय का दूसरा सबसे बड़ा मुवक्किल एक भारतीय कंपनी है, जिसकी दुनियाभर में करीब 118 सहयोगी कंपनियां हैं। ऐप्पलबाय के भारतीय मुवक्किलों में कुछ बड़े कॉर्पोरेट्स और कंपनियां हैं। इसे भी अपने कारोबार की चिंता है। इसने जांच में पूरा सहयोग करने का भरोसा दिया है। दस्तावेज में जितने नाम अभी तक आए हैं उन सबका उल्लेख करना यहां आवश्यक नहीं है। चूंकि इनमें दुनिया भर की बड़ी हस्तियों के नाम हैं, इसलिए भारत के साथ दुनिया भर के उन देशों की इससे संबंधित गतिविधियों पर भी नजर रखनी होगी। कोई दस्तावेज कहीं किसी कम्प्यूटर से उड़ा लेना और फिर उसके एक-एक पहलू की जांच कर सच्चाई तक पहुंचने में आकाश और पाताल का अंतर होता है। इस कटु यथार्थ को हमें समझना चाहिए। यदि केवल कर बचाने के लिए निवेश किया गया है तो आप उसे अनैतिक तो कह सकते हैं, इसके लिए उसे सजा नहीं दी जा सकती। फिर भी भारत एवं दुनिया भर में होने वाली जांच के परिणामों की प्रतीक्षा करेंगे।

चलते चलते

''संस्कृति'

विदेशों में ''नीतियों' को समझने-समझाने के नाम पर देश और विदेशी मुल्कों के खूब दौरे होते हैं। लेकिन कुछ अपवादों को दरकिनार कर दें तो जिन उद्देश्यों के लेकर दौरे होते हैं, वो शायद ही कभी धरातल पर दिखते हों या हकीकत का जामा पहनते हों।

सरकारी खर्चे पर पर्यटन। मतलब सरकार का काम दिखाकर अधिकारियों द्वारा सैर-सपाटा सत्ता के गलियारों में बेहद पसंदीदा ''संस्कृति' है। विदेशों में ''नीतियों' को समझने-समझाने के नाम पर देश और विदेशी मुल्कों के खूब दौरे होते हैं। लेकिन कुछ अपवादों को दरकिनार कर दें तो जिन उद्देश्यों के लेकर दौरे होते हैं, वो शायद ही कभी धरातल पर दिखते हों या हकीकत का जामा पहनते हों। इस पर लगाम लगाने की कवायद तो पिछले साल ही केंद्र सरकार ने शुरू की, मगर उसे और कसने की कवायद अमल में लाई जा रही है। इसके तहत विदेश भ्रमण पर गए सभी अधिकारियों को इसका ब्योरा देने को कहा गया है। 31 दिसम्बर से पहले संबंधित मंत्रालय को इसकी विस्तृत जानकारी-जिसमें दौरा किसलिए था, उसमें क्या हासिल हुआ, कैसे अमुक नीति का स्थानीय स्तर पर फायदा होगा और इसमें कितना खर्च आया? सूचना को मंत्रालयों की वेबसाइट पर चस्पा यानी इसे सार्वजनिक किए जाने की भी बात है। वैसे कार्मिक एंव प्रशिक्षण विभाग ने पिछले साल ही इस संबंध में आदेश जारी किया था। गैर आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 2017 में अधिकारियों ने 700 के करीब दौरे किए। लेकिन एक-आध को छोड़ दें तो दौरों से संबंधित कोई जानकारी सावजनिक नहीं है। सो, दौरे के बाबत इस निर्देश के दो उद्देश्य हैं। पहला; दौरे सिर्फऔचारिक न हो बल्कि उपयोगी भी हों। दूसरा: दौरे में 50 फीसद की कटौती। दौरे पर हर साल 10 करोड़ का खर्च आता है। इसमें एक रास्ता यह भी निकाला गया है कि जहां पर सिर्फप्रतिनिधित्व की बात हो, वहां स्थानीय उच्चायोग के किसी अधिकारी को भेज दिया जाए। सरकार ने अधिकारियों को अधिकतम 4 दौरे और 5 दिन की समयसीमा तय करते हुए, उनके व्यक्तिगत दौरों के खर्च से खुद को अलग कर लिया है। इस निर्णय में सबसे अहम बात है दौरों का प्रधानमंत्री कार्यालय से स्वीकृति। साथ में सख्ती करते हुए लम्बे समय तक विदेश में रुकने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की बात भी शामिल है। कुछ मामलों में गाज भी गिरी है। बेहतर होगा सरकार नौकरशाहों के साथ-साथ मंत्रियों पर भी यही नियम-कानून लागू करे। देश में आयोजित कांफ्रेंस और सेमिनार का भी फीडबैक ले तो बेहतर होगा। अगर दौरे पर संबंधित मंत्रालय से जुड़े विशेषज्ञों को भेजा जाता है तो इसका प्रतिफल भी दिखेगा।

मुद्दा

सकल घरेलू उत्पाद

राजनीतिक अस्थिरता, वित्तीय कुप्रबंधन और फिजूलखर्ची के बावजूद उत्तराखंड का अपने से 46 साल सीनियर हिमालयी पड़ोसी हिमाचल से प्रतिव्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद जैसे मामलों में आगे निकल जाना उसकी विकास की भारी संभावनाओं का स्पष्ट संकेतक तो है मगर जिस तरह वित्तीय कुप्रबंधन से नया राज्य कर्ज तले डूबा जा रहा है और आए दिन राजनीतिक प्रपंचों से लोगों का मोहभंग हो रहा है उसे देखते हुए आवाजें उठनें लगी हैं कि अगर यह राज्य हिमाचल की तरह शुरू में केंद्र शासित प्रदेश बन गया होता या फिर मैदानी उत्तर प्रदेश या संयुक्त प्रांत में मिलने के बजाय इसे शुरू में हिमाचल के साथ जोड़ दिया गया होता तो वह हिमालयी राज्यों के लिए विकास के एक रोल मॉडल के रूप में जरूर उभरता। सन् 2000 के नवम्बर महीने में जन्मे छत्तीसगढ़ (1 नवम्बर), उत्तराखंड (9 नवम्बर) और झारखंड (15 नवम्बर) में से उत्तराखंड अन्य दो राज्यों में से न केवल प्रति व्यक्ति आय में बल्कि कई अन्य मामलों में आगे निकल गया है। प्रति व्यक्ति आय और सकल घरेलू उत्पाद के मामले में इस नये राज्य ने अपने से 46 साल सीनियर हिमाचल प्रदेश को भी पीछे छोड़ दिया है। इन 17 सालों में छत्तीसगढ़ में राजनीतिक स्थायित्व के बावजूद प्रति व्यति आय 91,772 रुपये और सकल घरेलू उत्पाद 2,90,140 करोड़ तक पहुंचा है। उत्तराखंड की ही तरह राजनीतिक झंझावात झेल रहे झारखंड की हालत तो इतनी खराब है कि बकौल राष्ट्रीय विकास परिषद उस राज्य को प्रति व्यक्ति आय के मामले में राष्ट्रीय औसत छूने में अभी और 17 साल लगेंगे। उसकी प्रति व्यति आय अभी 59,114 रुपये तक ही पहुंची है।

नये राज्य ही क्यों? 25 जनवरी 1971 को अस्तित्व में आए हिमाचल प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय 1,30,067 और राज्य सकल घरेलू उत्पाद 1,24,570 करोड़ ही पहुंच पाया है। जबकि उत्तराखंड में प्रति व्यक्ति आय 1,51,219 रुपये और सकल घरेलू उत्पाद चालू भावों पर राज्य के जीएसडीपी का 1,84,091 करोड़ तक पहुंच गया है। इधर उत्तराखंड में सत्ता की छीना झपटी और संसाधनों की ऐसी बंदरबांट शुरू हुई कि प्रदेश कम आमदनी और ज्यादा खर्चों के कारण कर्ज के बोझ तले दबता चला गया।

हिमाचल प्रदेश पर 46 सालों में केवल 38,568 करोड़ रुपये का कर्ज चढ़ा है, जबकि नेताओं और नौकरशाही की फिजूलखर्ची के कारण उत्तराखंड मात्र 17 सालों में लगभग 45 हजार करोड़ का कर्ज से दब चुका है, जिसका ब्याज ही प्रति वर्ष लगभग 4500 करोड़ तक चुकाना पड़ रहा है। अगर दोनों राज्यों के चालू वित्त वर्ष के बजट की तुलना करें तो हिमाचल प्रदेश सरकार ने इस बार वेतन पर 26.91 प्रतिशत राशि, पेंशन पर 13.83 प्रतिशत, कर्ज के ब्याज के लिए 9.78 प्रतिात राशि रखी है। जबकि उत्तराखंड सरकार ने वेतन भत्तों पर 31.01 प्रतिशत, पेंशन पर 10.71 प्रतिशत और ब्याज अदायगी के लिए 11.04 प्रतिशत धन का प्रावधान रखा है। विकास के लिए हिमाचल के बजट में 39.35 प्रतिशत तो उत्तराखंड के बजट में मात्र 13.23 प्रतिशत राशि का प्रावधान रखा गया है। वह भी तब खर्च होगी जबकि केंद्र सरकार आर्थिक मदद मिलेगी।

अन्यथा राज्य सरकार के पास विकास के लिए एक पैसा भी नहीं है। वर्तमान बजट में राज्य के करों और करेत्तर राजस्व के साथ केंद्रीय करों से मिले राज्यांश को मिला कर उत्तराखंड का कुल राजस्व लगभग 21 हजार करोड़ है और अब तक इतनी ही राशि उसे वेतन, पेंशन, ब्याज और अन्य खर्चों पर व्यय करनी पड़ रही है। लेकिन सातवें वेतन आयोग की सिफारिशें लागू करने के बाद चार्च इतना बढ़ गया कि राज्य को हर माह वेतन आदि के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये प्रति माह कर्ज लेना पड़ रहा है। हिमाचल जब केंद्र शासन के अधीन गया तो पहली पंचवर्षीय योजना में उसके विकास की आधा रकम वहां सड़कों का जाल बिछाने पर खर्च की गई। इस बीच वह पार्ट सी का राज्य भी रहा।

नेक नीयत की सफलता

आभा स्वामी

यह निर्विवाद है कि साल भर पहले आज के ही दिन घोषित हुई नोटबंदी स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे व्यापक और दूरगामी प्रभाव वाला निर्णय था। इसका असर अच्छा हुआ या बुरा, इस पर जरूर मतभेद हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काले धन के खिलाफमहती अभियान के रूप में इस कदम का एलान किया था। साथ ही अपेक्षा की गई कि इससे जाली नोटों के चलन और आतंकवादियों तक पहुंचने वाले धन के स्रोतों पर रोक लगेगी। बाद में डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देना भी नोटबंदी लागू करने के उद्देश्यों में जोड़ा गया। ये मकसद हासिल हो जाएं, तो इसमें कोई संदेह नहीं कि भारतीय अर्थव्यवस्था को दीर्घकालिक लाभ होगा। इससे स्वच्छ कारोबार का रास्ता साफ होगा, कर राजस्व बढ़ेगा और दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था की साख बढ़ेगी। इन तमाम लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक साल बहुत छोटी अवधि है। अत: नोटबंदी के फैसले की पहली सालगिरह पर आकलन का विषय यह है कि क्या इस दिशा में प्रगति हुई? केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने यह महत्वपूर्ण जानकारी दी है कि बैंकों में लौटे रुपयों से ये पता चला कि उन पर किसकी मिल्कियत है। कुल लौटे धन का एक तिहाई हिस्सा सिर्फ डेढ़ लाख लोगों ने जमा कराया। जाहिर हुआ कि 18 लाख लोगों की संपत्ति उनकी आमदनी से ज्यादा है। ऐसे तमाम लोग अब आयकर विभाग की पूछताछ के दायरे में हैं। यानी नोटबंदी से काले धन पर शिकंजा कसने में सचमुच मदद मिली है। देशभर में डिजिटल लेन-देन भी बढ़ा, यह आम तजुर्बा है। इसलिए डॉ. मनमोहन सिंह के इस दावे से शायद ही कोई सहमत हो कि 'नोटबंदी संगठित और कानूनी लूट थी। इस बयान पर यदि अरुण जेटली ने पूर्व प्रधानमंत्री को उनके शासनकाल में हुए घोटालों की याद दिलाई, तो यह तार्किक ही है।

बेहतर होता कि नोटबंदी की सालगिरह पर ऐसी सियासी तू-तू,मैं-मैं नहीं होती। इसके बदले इस फैसले के असर का वस्तुगत विश्लेषण किया जाता। इतने बड़े कदम से आम आर्थिक जिंदगी में व्यवधान नहीं पड़ता, यह संभव नहीं था। बेशक, नोटबंदी के चलते आमजन को दिक्कतें झेलनी पड़ीं। लेकिन कुल लाभ-हानि का जायजा लिया जाए, तो यही कहा जाएगा कि एनडीए सरकार ने वो निर्णय देश के व्यापक हित में लिया था। भले ही गति धीमी हो, लेकिन उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति हो रही है। आम जनता ने इसके महत्व को समझने की अद्भुत समझ दिखाई है। नोटबंदी के बाद हुए चुनावों के नतीजों से स्पष्ट है कि आम मतदाता काले धन के खिलाफ नरेंद्र मोदी के अभियान के साथ है।

इसके बावजूद विपक्ष का आज 'काला दिवसमनाना जनमानस को समझने की उसकी अक्षमता जाहिर करता है। जबकि सत्ता पक्ष के 'काला धन विरोधी दिवसको लोग अधिक गंभीरता से लेंगे। इसलिए कि नोटबंदी जैसा बड़ा फैसला लेने का साहस और इस कदम को तार्किक मुकाम तक ले जाने का दृढ़-निश्चय दिखाने के बाद वह इस एजेंडे के साथ जनता के बीच जा रहा है। आखिर लोग यही चाहते हैं कि अपना देश भ्रष्टाचार और काले धन से स्थायी रूप से मुक्ति पा ले।

'टाइगर जिंदा है' के ट्रेलर में सलमान, कैटरीना का शांति संदेश

टाइगर जिंदा है के ट्रेलर में गोलीबारी, घुड़सवारी, दिमागी खेल और ढेर सारे एक्शन दृश्य हैं। हालांकि, यह दर्शाता है कि सुपरस्टार सलमान खान अभिनेत्री कैटरीना कैफ के साथ अपने प्रशंसकों की खुशी के लिए शांति का संदेश लेकर लौटे हैं। अली अब्बास जफर निर्देशित यह फिल्म साल 2012 में आई 'एक था टाइगर' की जोड़ी को वापस ले आई है। फिल्म का ट्रेलर मंगलवार को लांच हुआ। मारधाड़ से भरपूर ट्रेलर की एक पंचलाइन है- 'शिकार तो सब करते हैं, लेकिन टाइगर से बेहतर शिकार कोई नहीं करता।' फिल्म की कहानी अपहृत 25 भारतीय नर्सों को बचाने के इर्द-गिर्द घूमती है। इनका अपहरण इराक में सबसे कुख्यात आतंकवादी संगठन के प्रमुख अबू उस्मान ने किया है। इस फिल्म में भारतीय एजेंट टाइगर (सलमान) और पाकिस्तानी जासूस जोया (कटरीना) अगवा नर्सों को छुड़ाने के लिए मिलकर काम करते हैं। फिल्म के एक दृश्य में जोया कहती हैं, ''हमारा ये मिशन अब सिर्फ उन नर्सों को बचाने के लिए नहीं है, पूरी दुनिया को बताने के लिए है कि वी स्टैंड फॉर पीस (हम शांति के लिए खड़े हैं)।''

यहां यशराज फिल्म्स स्टूडियो में मंगलवार को ट्रेलर लांच के दौरान जफर से पूछा गया कि क्या वह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक में सबसे बढ़िया देने का दबाव महसूस करते हैं? इस पर जफर ने कहा, ''हां, मेरे ऊपर दबाव है, क्योंकि यह एक सफल फ्रेंचाइजी है और मैंने सलमान खान के साथ 'सुल्तान' में काम किया है और हम सफल हुए हैं, इसलिए लोगों की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

अभिनेत्री न होती तो खिलाड़ी होतीं : तापसी पन्नू

तापसी ने कहा, "मैं हॉकी सीखने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

अभिनेत्री तापसी पन्नू का कहना है कि उन्हें खेलों से इतना प्यार है कि अगर वह एक अभिनेत्री नहीं होती तो एक खिलाड़ी होतीं। 'जुड़वां 2' की अभिनेत्री जल्द ही हॉकी खिलाड़ी संदीप सिंह पर आधारित एक फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी। फिल्म में वह खुद भी एक हॉकी खिलाड़ी की भूमिका में नजर आएंगी। तापसी ने कहा, ''मैं खेलों से प्यार करती हूं और हमेशा महसूस करती हूं कि अगर मैं एक अभिनेत्री नहीं होती तो मैं एक खिलाड़ी बनना चाहती। लेकिन एक अभिनेत्री बनना भी बहुत ही खास है क्योंकि बतौर कलाकार आप एक ही जीवन में कई सारे किरदारों को जी सकते हैं और आखिरकार मुझे अपनी दोनों इच्छाओं को पूरा करने का मौका मिल गया है।'' उन्होंने कहा, ''मैं इस दौरान हॉकी सीख पाने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।'' शाद अली इस फिल्म का निर्देशन करेंगे।

शाहरूख पर फिल्माया जाएगा होली गाना

आनंद ने रांझना में भी होली का गाना रखा था।

बॉलीवुड के किंग खान शाहरूख खान पर फिर से होली गाना फिल्माया जायेगा। शाहरुख़ पर सुपरहिट फिल्म डर में होली गाना फिल्माया गया था। फिल्म डर का गाना 'अंग से अंग लगाना...' होली के सुपरहिट गीतों में से एक है और अब शाहरुख़ अपनी नयी फिल्म में भी कुछ ऐसा ही धमाल करने जा रहे हैं। आनंद एल राय की उनकी आने वाली फिल्म में एक फुल फ्लेजेड होली गीत फिल्माया गया है। फिल्म में होली के लिए स्पेशल गाना तैयार किया गया है। आनंद को होली से बेहद प्यार है। उन्होंने रांझना में भी होली का गाना रखा था, इसलिए इस बार भी फिल्म में सिचुएशन के अनुसार फिल्म में ऐसा ही गाना शामिल किया गया है। यह गाना अनुष्का और शाहरुख़ के बीच फिल्माया गया है । यह गाना तनिष्क बागची और अजय अतुल ने तैयार किया है।

छोटा पर्दा

सोनू सूद संभालेंगे कॉमेडी दंगल की कमान

अपने हंसाने वाले चुटकुलों और नॉन-स्टॉप मनोरंजन के साथ सभी का दिल जीतने वाला शो 'कॉमेडी दंगल' दर्शकों की मांग पर जल्द ही फिर से शुरू होने जा रहा है। यह शो कॉमेडी की नई प्रतिभाओं से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगा। अपने पहले सीजन में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने और दर्शकों को टेलीविजन पर बांध कर रखने वाले कॉमेडी दंगल का दूसरा सीजन धमाकेदार होगा। इसमें सोनू सूद एक नये जज के रूप में नजर आएंगे और यह शो हंसी का एक और शानदार सफ़र बनने का वादा करता है। बड़े और छोटे पर्दे पर अपना कमाल दिखा चुके सोनू सूद की मौजूदगी इस शो को एक नये मुकाम पर ले जायेगी।

'सूर्या' बिलकुल मेरी तरह की: पूजा बैनर्जी

पूजा बैनर्जी सूर्या के रूप में सुपरनैच्युरल फैंटेसी शो चंद्रकांता में प्रवेश के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, इस आश्चर्यजनक धारावाहिक का हिस्सा बनना बहुत अच्छा अहसास है। चंद्रकांता में काम करना प्रत्येक दिन साहसिक काम करने जैसा है। मैं घोड़े की सवारी कर रही हूं और एक्शन सीक्वेंस में भी भाग ले रही हूं। शूटिंग में मुझे पूरा आनंद आ रहा है। सूर्या का किरदार आत्म-जुनूनी सा है और साथ ही वह सहृदय भी है और हर किसी की देखभाल भी करती है। वह जोश से भरी है और बात करना पसंद करती है। वह बिलकुल मेरी तरह ही है। सूर्या युवती है जो दूसरी बार बिना सोचे बोलती है और वह हाई मेंटीनेंस स्पोइल्ट रिच लड़की है।

क्लासिक लीजेंड्स सीजन 4 में जावेद अख्तर ...

हेमंत मुखर्जी उन चुनिंदा गायकों की श्रेणी में शुमार हैं जो अपनी आवाज की गहराई और गंभीरता के लिए जाने जाते हैं। उनकी यही खूबी उन्हें औरों से अलग करती है। एक सिंगर, कंपोजर और प्रोड्यूसर के रूप में हेमंत ने बंगाली और हिंदी सिनेमा में समान रूप से अपना प्रभाव छोड़ा है। वे ऐसे गायक हैं जिनके गाने आज भी संगीत प्रेमियों को खूब भाते हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक मधुर गाने गाए जो भारतीय सिनेमा में एक मिसाल बन गए। 'क्लासिक लीजेंड्स सीजन 4' के इस वीकेंड के एपिसोड में जावेद अख्तर इस महान कलाकार की जिंदगी के सर के बारे में बताएंगे, जिसका प्रसारण 12 नवंबर को शाम 7 बजे ज़ी क्लासिक पर किया जाएगा।

कलाकारों की शो में अहम भूमिका

सोनी सब का आगामी शो 'पार्टनर्स- ट्रबल हो गई डबल' इस नवंबर से मुख्य भूमिकाओं में जॉनी लीवर, किकू शारदा और विपुल रॉय जैसे कलाकारों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। शो में सितारों की इस फेहरिस्त में शामिल होने वाले नये सितारों में अश्विनी कालेस्कर, किश्वर मर्चेंट और श्वेता गुलाटी हैं। इन सारे कलाकारों की भूमिकाएं भी शो में अहम हैं। अश्विनी कालेस्कर क्रमशः किश्वर मर्चेंट और श्वेता गुलाटी द्वारा अभिनीत दो बेटियों आयशा और डॉली नादकरनी की मां नीना नादकरनी की भूमिका निभा रही हैं। भले ही नीना विधवा है लेकिन अपनी जिंदगी में हमेशा खुश रहती है। सोशल मीडिया साइट्स पर वो काफी सक्रिय है।

डिज्नी की द ट्रिप सीज़न से वापसी करेंगी श्वेता त्रिपाठी

बहुमुखी प्रतिभा की धनी अदाकारा श्वेता त्रिपाठी ने गत वर्ष 'द ट्रिप' नामक एक परिमित वेब सीरीज के माध्यम से काफी सफलता अर्जित की थी। द ट्रिप चार गर्लफ्रेंड्स श्वेता त्रिपाठी, लिसा हेडन, मल्लिका दुआ और सपना पाब्बी की एक कहानी थी, जो दुल्हन की बैचलर पार्टी के एक हिस्से के तौर पर थाईलैंड में सड़क यात्रा पर निकलीं, और बाद में यह यात्रा काफी भावनात्मक उतार-चढ़ाव के दौर से गुजरी। शुरुआती दौर में इसकी कथावस्तु को 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' का महिला संस्करण बताया जा रहा था, जिसमें आत्ममंथन के लिए युवा अविवाहित लड़कियों की यात्रा का अंश भी है, साथ ही इसमें कहीं न कहीं हॉलीवुड के हिट फ्रैन्चाइज़ 'द हैंगओवर' की तरह उथल-पुथल के संकेत भी मिलते हैं। लेकिन अंत में सभी लड़कियां इस मुश्किल हालात से खुद को बेहद मजबूती से और सावधानीपूर्वक बाहर निकालने में सफल होती हैं। 'द ट्रिप' बेहद आनंदित कर देने वाली यात्रा का अनुभव प्रदान करता है, खासकर लड़कियों के गैंग के लिए, और आश्चर्यचकित कर देने वाली भूमिका से श्वेता त्रिपाठी द ट्रिप सीज़न-2 को मनोरंजन के अगले स्तर तक के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल, श्वेता अमेज़न प्राइम के लिए फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी द्वारा निर्मित वीडियो ऑन डिमांड सीरीज 'मिर्जापुर' में गोलू गुप्ता का किरदार निभा रही हैं। जिसकी कहानी बैचलर पार्टी के बाद उनके जीवन पर केंद्रित होगी और इसकी शूटिंग राजस्थान में की जाएगी।

पिता को पसंद आई इत्तेफाक : सोनाक्षी

लंबे समय से अपने काम से पिता को प्रभावित होते हुए नहीं देखा था।

दबंग गर्ल सोनाक्षी सिन्हा का कहना है कि उनके पिता शत्रुघ्न सिन्हा को उनकी फिल्म 'इत्तेफाक' बेहद पसंद आई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा-सोनाक्षी सिन्हा और अक्षय खन्ना की फिल्म 'इत्तेफाक' हाल ही में प्रदर्शित हुई है। सोनाक्षी के पिता शत्रुघ्न सिन्हा फिल्म के रहस्य से काफी रोमांचित हैं और इसमें अक्षय खन्ना द्वारा निभाए गये पुलिस के किरदार से प्रभावित होकर खुद को पुलिस का किरदार निभाने वाले व्यक्ति की कल्पना कर रहे हैं। सोनाक्षी ने बताया कि शत्रुघ्न सिन्हा फिल्म और प्रस्तुति को लेकर वास्तव में प्रभावित हुए हैं। सोनाक्षी ने बताया कि 'मेरे पिता को यह फिल्म काफी पसंद आई और उन्होंने दो बार इसे देखा। मैंने लंबे समय से अपने काम से अपने पिता को प्रभावित होते हुये नहीं देखा था। उन्हें 'अकीरा' और 'लूटेरा' में मेरा काम पसंद आया था और अब आया है। यहां तक कि जब उन्होंने 'इत्तेफाक' देखी तो उन्होंने मुझसे कहा कि एक अभिनेता के रूप में वह खुद को फिल्म में पुलिस अधिकारी के रूप में महसूस कर रहे हैं। गौरतबल है कि करण जौहर, शाहरूख खान और बीआर स्टूडियोज ने 'इत्तेफाक' फिल्म का निर्माण किया है। यह 1969 में इसी नाम से आयी फिल्म का रीमेक है जिसमें राजेश खन्ना और नंदा मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

चुटकुले

सोने की चीज

पत्नी: इतने साल हो गये शादी को तुमने आज तक मुझे कुछ नही दिया

पति: दिल तो दिया है और क्या चाहिये

पत्नी: नहीं जानू कोई सोने की चीज दिलाओ ना

पति: चलो शाम को नया तकिया ला दूंगा खूब मजे से सोना

ताजमहल

मास्टर: पढाई शुरू कर दो पेपर आने वाले हैं।

पप्पू: मैं तो खूब पढ़ता हूँ, कुछ भी पूछ लो

मास्टर: बता ताजमहल किसने बनाया

पप्पू: मिस्त्री ने

मास्टर: अबे गधे मतलब किसने बनवाया

पप्पू : ठेकेदार ने बनवाया होगा

दुखी आदमी...

एक आदमी अपनी बीवी को दफना के घर जा रहा था कि अचानक बिजली चमकी बादल गरजे

जोर की तूफानी बारिश शुरू हुई !

माहौल अफरातफरी वाला हो गया

दुखी आदमी आसमान की तरफ देखते हुए बोला लगता हैं पहुँच गयी !!

किस लिये....

मास्टर: कल स्कुल क्यूँ नहीं आये?

बबलू : गलफ्रेंड से मिलने गया था .

मास्टर: किस लिये ?

बबलू: येस सर

मास्टर: मैंने पूछा किस लिये?

बबलू: लिये सर बहुत लिए।

Readers Choice

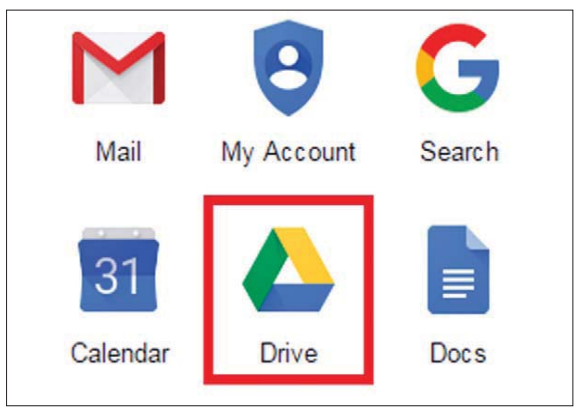

गूगल ड्राइव में सेव इमेज ने पकड़वा दिया चोर

हाल ही में एक खबर सामने आयी कि दिल्ली के दरियागंज इलाके में एक टीचर के पर्स से उसका मोबाइल फोन चोरी हो गया। वो बेचारी फोन गया ये सोच कर दुखी थी, पर अगले ही दिन आधुनिक तकनीक के कमाल ने उसके फोन का पता बता दिया। दरसल फोन चोर ने अपने घर में उस चोरी के फोन से सेल्फी ली और उसी दौरान सेटिंग में बाईडिफाल्ट मौजूद होने के कारण सेल्फी क्लिक करने पर वो गूगल ड्राइव में सेव हो गई। अगले दिन उस शिक्षिका ने अपने घर पर लैपटॉप पर अपना जी मेल अकाउंट खोला और गूगल ड्राइव पर जाकर गई तो उसमें वो सेल्फी भी नजर आ गई। बस फिर क्या था पुलिस को खबर दी गई और चोर को ट्रेस कर लिया गया। हालाकि अभी चोर गिरफ्तार नहीं हुआ है पर फोन बरामद हो गया है। वैसे तकनीक के कमाल से हुई ये अकेली घटना नहीं है। जीहां ऊपर दी गई घटना की ही तरह इसी साल जून में एक और घटना सामने आई थी जब गूगल ड्राइव में सेव तस्वीर ने फोन चोर का पता बताया था। दिल्ली के एक शख्स का मोबाइल को सड़क पर एक मोटरसाइकिल पर सवार चोर छीन कर ले गए। इस इंसान ने भी अपने फोन की फोटो गैलरी को गूगल ड्राइव से सिंक्रोनाइज किया हुआ था लिहाजा फोन से खींची गई सारी तस्वीरें वहां सेव हो जाती थी। बस चोर ने अपनी फोटो खींची तो वो सेव हो गई और फिर उसका पता लगाना और लोकेशन जानना कतई मुश्किल ना था। वैसे विदेशों से भी ऐसी घटनायें पता लगती रहती हैं।

हर्षवर्धन के फिल्मों से ज्यादा इश्क के चर्चे

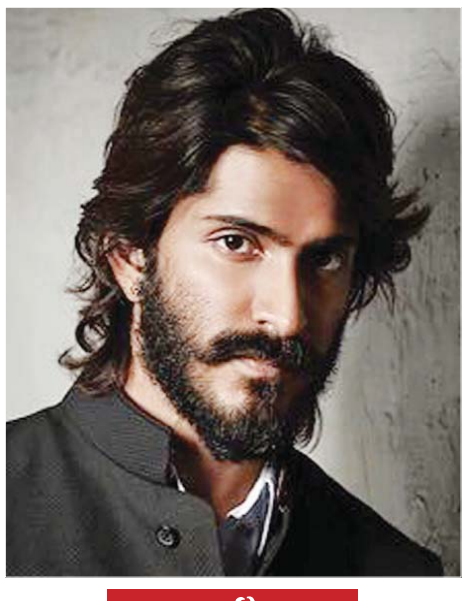

हर्षवर्धन कपूर जब से बॉलीवुड जगत में डेब्यू के अलावा एक और चीज के लिए चर्चा में बनी रहती हैं, पिछले कई महीनों से उनका नाम कई अभिनेत्रियां से जोडा जा रहा है। बता दें कि आजकल सारा अली खान और हर्षवर्धन कपूर को कई मौकों पर साथ देखा गया। बता दें कि हर्षवर्धन कपूर बात करे रहें हैं जो अपना 27वां जन्मदिन मना रहे हैं। आपको बता दें कि राकेश ओम प्रकाश मेहरा की फिल्म 'मिर्जया' रिलीज हो चुकी है। फिल्म में हर्षवर्धन कपूर ने बॉलीवुड जगत में डेब्यू किया। हर्षवर्धन अभिनेता अनिल कपूर के बेटे हैं। तो जानते हैं बर्थस्पेशल में हर्षवर्धन की कुछ अनजानी बातों के बारे में...

बर्थडे

24 सीजन के दौरान मिले

हर्षवर्धन की असल जिंदगी की बात करें तो अब हर्षवर्धन जैसे हैंडसम बॉय की गर्लफ्रेंड न हो या वह किसी को डेट न करे यह तो हैरानी की बात है। सूत्रों के अनुसार हर्ष अभिनेत्री सपना पब्बी को डेट कर रहे हैं, हर्ष और सपना 24 सीजन के दौरान मिले, जिसमें सपना ने अनिल कपूर की बेटी का किरदार निभाया था।

परिवार

हर्षवर्धन कपूर का जन्म 9 नवंबर 1990 को मुंबई, महाराष्ट्र में हुआ। हर्ष अनिल कपूर और सुनीता कपूर के पुत्र हैं हर्ष घर में सबसे छोटे और सबके लाडले हैं, हर्ष को अपनी बहनो सोनम कपूर और रिया कपूर से बहुत करीब हैं। हर्ष अपनी दोनों बहनों की अपनी ताकत समझते हैं और सही के चलते उन्होंने अपनी बहनों का नाम टेटू भी कराया है।

घुडसवारी और तीर चलाना सीखा

हर्षवर्धन ने अपने किरदार को बखूबी निभाने के लिए 2 साल तक घुडसवारी और तीर चलाना सीखा था। लगातार प्रैक्टिस का ही असर है जो फिल्म में जानदार लगे। अब वो अपनी दूसरी फिल्म के लिए कडी मेहनत में जुट गए है। अपनी अगली फिल्म भावेश जोशी के लिए उन्होंने अपने आलीशन घर तक को छोड दिया है।

काम को लेकर गंभीर

विक्रमादित्या मोटवानी के डायरेक्शन में बन रही फिल्म के लिए हर्षवर्धन साधारण सी सुखसुविधाओं के लिए रहते हुए अपने अगले किरदार के लिए तैयारी कर रहे है। हर्ष ने कहा किसी फिल्म के लिए कम तैयारी के साथ शूट पर पहुंचने से बेहतर वो ज्यादा से ज्यादा तैयारी करने को मानते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि हर्ष अपने काम को लेकर कितने गंभीर हैं।

हॉलीवुड

धनुष की हॉलीवुड फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज

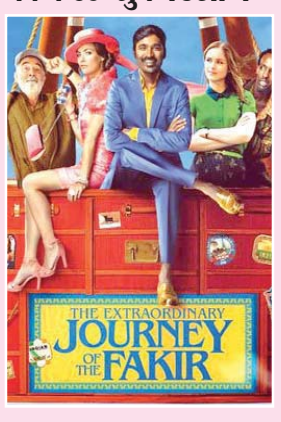

रजनीकांत के दामाद और एक्टर धनुष ने अब हॉलिवुड इंडस्ट्री में कदम रख दिया है। 'कोलावरी डी' सिंगर और एक्टर धनुष की हॉलीवुड फिल्म 'द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर' का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। हालांकि, इसमें वह कहीं से भी फकीर नजर नहीं आ रहे हैं। फर्स्ट लुक में वह नीले रंग का कोट -पैंट में नजर आ रहे है। फिल्म को केन स्कॉट ने डायरैक्ट किया है। धनुष के अलावा फिल्म में फ्रांसीसी एक्टर बेरेनाइस बेजो, बरखाद अब्दी और एरिन मोरियट्री भी नजर आएंगे। 'द एक्स्ट्राऑर्डिनरी जर्नी ऑफ द फकीर' अजातशत्रु की कहानी है जो एक फकीर है।

प्यार का ऐलान कर उदास है क्रिस्टन

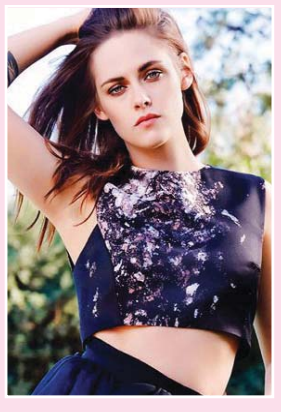

हॉलीवुड की दिलकश अदाकारा क्रिस्टन स्टीवर्ट इन दिनों सहेली के प्रति अपना प्यार जताकर उदास नजर आ रही है। खबरों की माने तो अभिनेत्री अपनी सहेली को लेकर पहले इतनी गंभीर नहीं थी, लेकिन उसके प्रति अपने प्यार की घोषणा करने के बाद उदास देखी गई। सुत्रों के मुताबिक, हाल ही में एलिसिया कारजाइल को लेकर अपनी भावनाओं का इजहार करने वाली अभिनेत्री सफेद टॉप, काली जींस और खुले काले जैकेट पहने हुए मीटिंग में जाते हुए उदास नजर आई। पिछले करीब तीन सालों से साथ रहने के बाद इस जोड़े ने अपने रिश्ते को दुनिया के सामने खुलकर स्वीकारा था।

सूरत। सूरत में मंगलवार को डायबटिज की जटिलताओं के प्रति लोगो में जागरुकता लाने के उद्देश्य से इंडियन मेडिकल एशोसिएशन के डाक्टरों ने रैली निकाल कर जागरुकता फैलाने का प्रयास किया।

सूरत। तीन बार लीमका बुक आफ रिकार्ड इंडिया बुक आफ रिकार्ड, इंडिया एचिवर आफ रिकार्ड, वर्ल्ड रिकार्ड आफ इंडिया सहित 12 विश्व रेकोर्ड बनाकर डॉ. अरुण लाहोती एडवोकेट ने किया सूरत का नाम रोशन।

रांदेर में 45 हजार की चोरी

सूरत। रांदेर के पालनपुर पाटिया स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड की एक ट्रांसपोर्ट ऑफिस को रात्रि दौरान अंजन चोर उचक्कों ने निशाना बनाकर कार्यालय में प्रवेश कर कबाट में रखे नगर ४५ हजार की चोरी कर फरार हो गए होने का मामला सामने आया है. रांदेर पुलिस के अनुसार अडाजन के पालनपुर कैनाल रोड स्थित नक्षत्र सोलीतेर निवासी विराज नरेंद्र भाई शास्त्री 34 व्यापारी है रांदेर के पालनपुर पाटिया स्थित गुजरात हाउसिंग बोर्ड विराज भाई का ट्रांसपोर्ट का कार्यालय आया है 12 नवंबर की सुबह से 13 नवंबर की रात्रि दुकान अनजान चोर उचक्के ट्रांसपोर्ट को निशाना बनाया था. बदमाशों ने ट्रांसपोर्ट कार्यालय के बाथरूम की जाली तोड़कर अंदर प्रवेश किया था कार्यालय में प्रवेश बदमाशों ने कबाट में रखें नगद 45 की चोरी कर फरार हो गए. हादसे के चलते पीड़ित की शिकायत पर रांदेर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है

रत्ना कलाकारों के साथ 36 लाख की धोखाधड़ी

सूरत। कतार गांव के तापी नगर सोसाइटी स्थित मधुवन एपरमेन्ट निवासी एक रत्ना कलाकार सहित तीन से चार जने को सात ठगो ने 36 लाख की चपट लगा दी होने का मामला सामने आया है आरोपियों ने पीड़ितों को कम दामों में सोना बना कर देने का झांसा देकर लाखों रूपये एथ कर फरार हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार कतार गांव के तापी नगर सोसाइटी स्थित मधुवन अपार्टमेंट निवासी कल्पेश हिम्मत भाई राजपरा 32 रत्ना कलाकार है. अमरोली के स्टार रेसीडेंसी निवासी शैलेश जीवराज भाई केवरिया, जीवराज छगन भाई केवरिया, रांदेर के अली अमीन रेसीडेंसी निवासी एहसान ना रशीद खान पठान, गोपीपुरा के लतीफ दाना अपार्टमेंट निवासी अकबर नवाज खान पठान, मंसूरी इकबाल तथा पिंटू सहित सात ठगों ने कल्पेश सहित तीन से चार रत्ना कलाकारों को कम दामों में सोना बनाने का झांसा दिया था.और प्रथम पीड़ितों के पास आरोपी ने ८ लख रुपए लिए थे बात सोना बनाने की चीजें लाली होने की बात कहां कर ठगो ने पीड़ितों के पास अधिक 28 लाख रुपए लिए थे सातो ठगो ने पीड़ित के पास लिए 32 लाख लेने के बाद भी सोने के आभूषण नहीं देकर फरार हो गए. हादसे के चलते पीड़ितों की शिकायत पर कतारगाम पुलिस ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर अग्रिम जांच शुरू की है

जिले के सभी 16 विधानसभा सीटों के लिए 21 नवंबर तक भरे जाएंगे उमीदवारी पत्रक

सूरत। गुजरात विधानसभा आम चुनाव-2017 के लिए सूरत जिले के 16 विधानसभा सीटों के लिए उमीदवारी पत्रक भरने का काम 14 नवंबर से शुरू हो गया जो 21 नवंबर तक चलेगा। सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर उमीदवारी पत्रक भरने का काम प्रतिदिन प्रात: 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। उमीदवारी पत्र की जांच का काम 22 नवंबर को किया जाएगा। 24 नवंबर की दोपहर 3 बजे तक उमीदवारी पत्रक वापस लिया जा सकेगा। 9 दिसंबर की सुबह 8 बजे से सायं 5 बजे तक मददान किया जाएगा।

अलग-अलग विधानसभा क्षेत्र के उमीदवारों को अपने-अपने क्षेत्र के चुनाव अधिकारियों के कार्यालयों में उमीदवारी पत्रक जमा करना होगा। जो इस प्रकार है-

155-ओलपाड़ विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक ओलपाड़ प्रांत अधिकारी कार्यालय, तालुका सेवा सदन, हाथीसा रोड, ओलपाड तथा मामलतादार कार्यालय, तालुका सेवा सदन, ओलपाड में निर्धारित तारीख व समय में कर सकते हैं।

156-मांगरोल विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक मामलतदार कार्यालय, मीटिंग हाल, मांगरोल तथा ग्राउंड फलोर मामलतदार कार्यालय मांगरोल में निर्धारित समय के दौरान कर सकते हैं।

157-मांडवी विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक मामलतदार कार्यालय मांडवी में, 158-कामरेज विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक कामरेज प्रांत अधिकारी कार्यालय, तालुका सेवा सदन, कामरेज में, 158-कामरेज विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक कामरेज प्रांत अधिकारी कार्यालय, तालुका सेवा सदन तथा मामलतदार कार्यालय में, 159-सूरत पूर्व विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक सी ब्लाक, बहुमाली भवन, नानपुरा, सूरत में, 160-सूरत विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक ए-ब्लाक, पांचवा माला, बहुमाली भवन, नानपुरा, सूरत में, 161-वराछा रोड विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक बी-ब्लाक, तीसरा माला, आपूर्ति विभाग, जिला सेवा सदन -2, सूरत में। 162-करंज विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक प्रांत अधिकारी कार्यालय, ओ-ब्लाक, तीसरा माला, जिला सेवा सदन-2, अठवालाइंस, सूरत में। 163-लिंबायत विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक प्रादेशिक तालीम केंद्र, गुजरात गैस सर्कल के पीछे, अडाजन, सूरत में। 164-उधना विधानसभा क्षेत्र के लि उमीदवारी पत्रक मामलतदार कार्यालय, सूरत शहर अठवालाइंस सूरत में। 165-मजूरा विधानसभा क्षेत्र के लिए उमीदवारी पत्रक बी-ब्लाक, चौथा माला, जिला सेवा सदन, अठवा लाइंस सूरत, में। 166-कतारगाम विधानसभा क्षेत्र के लिए उमीदवारी पत्रक पुरानी कलक्टर कार्यालय, बहुमाली भवन, नानपुरा, सूरत में। 167-सूरत पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिए उमीदवारी पत्रक, जीआईडीसी कार्यालय, डच गार्डेन के सामने, नानपुरा, सूरत में। 168-चौर्यासी विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक मामलतदार कार्यालय, ए-ब्लाक, दूलरा माला, जिला सेवासदन-2, अठवालाइंस, सूरत में। 169-बारडोली विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक बारडोली प्रांत अधिकारी कार्यालय बारडोली तथा मामलतदार कार्यालय बारडोली में। 170-महुआ विधानसभा के लिए उमीदवारी पत्रक मामलतदार कार्यालय तालुका सेवा सदन, महुआ में किया जा सकता है।

केमिकल फेक्ट्री को कर्मचारियों ने लगाया 24.56 लाख का चूना

सूरत। पर्वत पाटिया के ग्रीन पार्क सोसायटी निवासी एक व्यापारी को उनके ही दो कामदारों ने 24 लाख 56 हजार की चटप लगादी होने का मामला सामने आया है। पुनागाव पुलिस के अनुसार राजस्थान के पाली जिले के मूल निवासी तथा ग्रीन पार्क सोसायटी निवासी मनोज भाई भवरलालजी लखेरा 41 व्यापारी है । पर्वत पटिया स्थित महावीर टेक्साइल मार्केट में मनोज भाई की रितु कलर फ्रेम प्राइवेट लिमिटेड के नामसे केमिकल का व्यापार करते है । इस केमिकल फेक्ट्री में लिम्बायत के गोडादरा स्थित वृजधाम सोसायटी निवासी सुनील मोहनलाल सावलोट तथा पर्वत पटिया स्थित अभिषेक रेशिडेंसी निवासी कैलाश रामलाल लखारा नामक दोनो युवक नॉकरी करते थे । दोनो ठगों ने कंपनी द्वारा सप्लाई किये गए केमिकल के बिलों के साथ छेड़छाड़ कर तथा ट्रांसपोर्ट गोदाम से केमिकल अन्य व्यक्ति को बेच कर कंपनी को 24 लाख 56 हजार का चूना लगा कर फरार हो गए ।

जुआरियों पर पुलिस की गाज 8 जुआरी गिरफ्तार

सूरत। पीसीबी पुलिस को सूचना मिलने पर खटोदरा थाना क्षेत्र की सीमा के उधना दरवाजा स्थित सोमा कांजी की वाड़ी में चल रही जुए की क्लब पर छापा मारकर 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया. पुलिस ने मौके पर से नगद तथा मोबाइल फोन 62 मुद्दा माल जब तक किया है..पीसीबी पुलिस के अनुसार स्टॉप के पुलिसकर्मियों को सूचना मिली थी कि खटोदरा थाना क्षेत्र के उधना दरवाजा की सोमा कांजी की वादी स्थित एक फैक्ट्री में जुए की क्लब चल रही है सूचना के चलते पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जुए की क्लब पर छापा मारकर जुआ खेल रहे विनोद कुंजलाल चौधरी, रविंद्र गंगाधर दंडवत, नीरज प्रधान, शशिकांत गणपत लाल जरीवाला, प्रकाश किशोर भाई जरीवाला, मनीष नवीन चंद्र राणा, प्रेम वसंत लाल बचकानी वाला तथा रामचंद्र उमेद राम जरीवाला सहित आठ जुआरिओको गिरफ्तार किया है. पुलिस ने मौके पर से नगद तथा मोबाइल फोन सहित ६२ हजार का मुद्दा मल जप्त किया है।

जीएसटी बेहतर लेकिन गलत तरीके से लागू की गई : यशवंतसिंहा

अहमदाबाद (ईएमएस)। लोकशाही बचाओ आंदोलन नामक एनजीओ के आमंत्रण पर गुजरात में चुनावी माहौल के बीच अहमदाबाद आए यशवंत सिन्हा ने कहा कि जीएसटी एक बेहतर कर प्रणाली है पर इसे गलत तरीके से लागू किया गया है। अरूण जेटली इसमें सभी गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार हैं और इसके जरिए उन्होंने देश पर एक बहुत ही गलत ढंग वाली कर प्रणाली थोप दी है और अब इसमें अस्थाई अथवा तदर्थ अंदाज में बदलाव की नीति पर चल रहे हैं। ऐसे में देश और देश की जनता को उनको पद से हटाने की मांग करने का पूरा हक है। यशवंत सिन्हा ने कहा कि मौजूदा वित्त मंत्री अरूण जेटली को वह गुजरात पर 'बोझ' मानते हैं और जीएसटी को लागू करने में गड़बड़ी और इसके लिए उन्हें पद से इस्तीफे की जनता की मांग जायज है। हालांकि देश में कारोबारी सुगमता यानी इज ऑफ डूइंग बिजनेस के मामले में विश्व बैंक की रिपोर्ट में भारत की स्थिति में सुधार का यशवंतसिंहा ने स्वागत किया और कहा कि यह प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है पर मुश्किल यह है कि देश के बाहर की वाहवाही को स्वीकार करने वाले हम लोग देश के अंदर से होने वाली आलोचना को खारिज कर देते हैं। जबकि जरूरी यह है कि हमे इस बात की अधिक चिंता करनी चाहिए कि दुनिया की तुलना में भारत के लोग हमारे बारे में क्या सोचते हैं। सिन्हा ने पत्रकारों से बातचीत कहा कि गुजरात से राज्यसभा के लिए चुने गये अरूण जेटली राज्य की जनता के लिए बोझ जैसे हैं। उन्होंने जेटली के खिलाफ सख्त तेवर अपनाते हुए कहा, 'मैं वित्त मंत्री को गुजराती नहीं मानता। वह गुजरात से राज्यसभा के लिए चुने गए होंगे पर वे आप पर बोझ हैं। अगर वह नहीं चुने जाते तो उनकी जगह किसी गुजराती को मौका मिला होता। यशवंत सिन्हा ने जीएसटी के मौजूदा स्वरूप में बदलाव के लिए कई सुझाव भी दिए। एक प्रश्न के उत्तर में सिन्हा ने यह भी स्वीकार किया कि मोदी के गुजरात सीएम रहते जीएसटी का विरोध किया था और राज्य के तत्कालीन वित्त मंत्री सौरभ पटेल का यह बयान कि इससे गुजरात को नौ हजार करोड का नुकसान होगा अब भी संसदीय कार्यवाही की रिकार्ड में है। उन्होंने यह भी कहा कि नोटबंदी और जीएसटी ने देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाया है और अराजकता जैसी स्थिति पैदा की।

दुर्घटना देखने गए 3 युवक दुर्घटना का शिकार, तीनों की मौत

मेहसाणा (ईएमएस)। जिले के विसनगर-खेरालु रोड पर पालडी गांव के निकट हुई दुर्घटना को देखने गए बाइक सवार तीन युवकों की कार के चपेट में आने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेहसाणा जिले में विसनगर-खेलालु रोड पर पालडी गांव के निकट एक जीप सकर्ल से नीचे उतर गई थी। उस दौरान वहां से मोटर साइकिल पर गुजर रहे तीन युवकों ने बाइक खड़ी की और दुर्घटना स्थल की ओर जा रहे थे। उसी वक्त वहां से गुजरी एक तेज रफ्तार कार ने तीनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। कार की चपेट में आए तीनों की युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

कांग्रेस का राज्यभर में डोर टू डोर संपर्क अभियान शुरू

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा के बाद अब कांग्रेस ने आज से राज्यभर में डोर टू डोर अभियान शुरू कर दिया है। अहमदाबाद के नारणपुरा क्षेत्र से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी और गुजरात प्रभारी अशोक गहलोत ने अभियान का प्रारंभ किया। आगामी गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पूरे जोश के साथ मैदान में उतर गई है। कांग्रेस को उम्मीद है कि राहुल गांधी का गुजरात दौरा जाया नहीं होगा। चुनाव में जीत के विश्वास के साथ कांग्रेस से आज से राज्यभर में डोर टू डोर प्रचार अभियान शुरू कर दिया। अहमदाबाद के नारणपुरा निर्वाचन क्षेत्र के सोला रोड बस स्टैन्ड के निकट स्थित कांकरिया हनुमान मंदिर से कांग्रेस ने अपने अभियान का श्रीगणेश किया। गुजरात प्रभारी अशोक गहलोत और गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष भरतसिंह सोलंकी ने कांग्रेस के डोर टू डोर प्रचार का प्रारंभ कराया। इसी प्रकार राज्यभर में कांग्रेस के प्रदेश नेता, सहप्रभारियों ने शहर-जिलों में इस कार्यक्रम की शुरुआत की। कांग्रेस का दावा है कि टीम कांग्रेस इस अभियान के तहत गुजरात के एक करोड़ घरों तक पहुंचेगी और लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करेगी। गौरतलब है नारणपुरा निर्वाचन क्षेत्र भाजपा का गढ़ माना जाता है और कांग्रेस ने भाजपा के गढ़ से डोर टू डोर प्रचार अभियान का प्रारंभ किया है।

अहमदाबाद की दस बस्तियों में बनाया क्रास का निशान, दहशत में बाशिंदे

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात के अहमदाबाद शहर के पाल्दी इलाके में लोग इन दिनों बहुत डरे हुए हैं। यहां की दस मुस्लिम सोसायटियों और हिंदू कॉलोनियों में लाल रंग से क्रॉस का निशान लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि इस इलाके में कुछ दिन पहले ही एक विवादास्पद पोस्टर भी लगाया गया था, जिसमें चेतावनी दी गई थी कि यह इलाका 'मुस्लिम बस्ती हो गया है। पोस्टर से सन 2002 में दंगों की विभिषिका झेल चुके डिलाइट अपार्टमेंट्स के लोग चिंतित हो उठे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग और पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर चिंता जताई है कि निशान लगाने का उद्देश्य मुस्लिम इलाकों की पहचान करना है। उन्होंने यह भी कहा कि इसका उद्देश्य इलाके में अशांति फैलाना है। लाल रंग के निशान अमन कॉलोनी, नशेमन अपार्टमेंट, टैगोर फ्लैट, आशियाना अपार्टमेंट और तक्षशिला कॉलोनी के बाहर मेन गेट पर लगाए गए हैं। डिलाइट में रहने वाले आदिल बगादिया ने कहा, 'हमने चुनाव आयोग और पुलिस कमिश्नर से इलाके में शांति सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। तीन दिन पहले ही इस इलाके में पोस्टर लगाए गए थे, जिसमें लिखा था, 'पलदी को जुहापुरा बनने से बचाइए।' बता दें, जुहापुरा भारत की सबसे बड़ी मुस्लिम बस्तियों में से एक है। डिलाइट अपार्टमेंट के वॉचमैन सत्तार चुनार ने कहा उन्होंने लाल निशान पर काला स्प्रे छिड़क दिया है। उन्होंने कहा कुछ लोगों ने बताया कि जिन इलाकों से कूड़ा उठाना है, उनकी पहचान के लिए सफाई कर्मचारियों ने ये निशान लगाए हैं। उधर, अमन कॉलोनी के जुबेर अहमद ने इस तर्क को मानने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा हमें नगर निगम से यह नहीं बताया गया है कि ये निशान कूड़ा उठाने के लिए हैं। उधर, नगर निगम के अधिकारियों के बयान ने भी भ्रम पैदा किया है।

भाजपा ने जारी किया नया प्रचार वीडियो

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव जीतने के लिए भाजपा और कांग्रेस लोगों को खासकर युवा वर्ग को आकर्षित करने के लिए सोशल मीडिया का भरपूर उपयोग कर रही हैं। इसके अंतर्गत भाजपा और कांग्रेस के एक के बाद एक प्रचार वीडियो जारी कर रहे हैं। इस कड़ी में भाजपा ने नया प्रचार वीडियो जारी किया है। जिसमें हिन्दी-गुजराती मशहूर फिल्म अभिनेत मनोज जोशी भाजपा की उपलब्धियों का बखान और कांग्रेस खिल्ली उड़ाते नजर आ रहे हैं। वीडियो में कहा गया है कि कांग्रेस के युवराज की कोमेडी के अच्छे अच्छे पानी भरते हैं। साथ ही गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री माधवसिंह सोलंकी और उनकी खाम नीति पर टिप्पणी की गई है। वीडियो में कहा गया है कि कांग्रेस वषी से जातिवाद की राजनीति कर देश को तोड़ने प्रयास कर रही है और माधवसिंह खाम नीति से गुजरात के लोगों को दूर किया। इतना ही नहीं ओबीसी नेता अल्पेश ठाकोर, पाटीदार नेता हार्दिक पटेल और दलित नेता जिग्नेश मेवाणी का ईना-मीना-डीका नाम देकर उन पर भी आरोप लगाए गए हैं।

एक फोटो में केंद्रीय मंत्री के साथ दिखा अश्विन

बीजेपी बोली, सीडी से हमारा कोई लेना-देना नहीं

अश्विन ने ही जारी की है हार्दिक पटेल की सीडी

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात चुनाव में एक सीडी से हंगामा मच गया है। बीजेपी इस सीडी में हार्दिक पटेल के होने का दावा कर रही है, जबकि हार्दिक पटेल सीडी को फर्जी बताते हुए इस साजिश के पीछे बीजेपी का हाथ बता रहे हैं। अब केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के साथ सीडी जारी करने वाले शख्स की तस्वीर सामने आने से विवाद और गहरा गया है। हालांकि बीजेपी का कहना है कि इस पूरे मामले से उसका कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी के मंत्री के साथ अश्विन (सीडी जारी करने वाले) की तस्वीरें सामने आई हैं, लेकिन केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडविया ने साफ किया कि पूरे प्रकरण से बीजेपी का लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि बीजेपी इस तरह की राजनीति नहीं करती है। गुजरात चुनाव में वीडियो वॉर के बाद अब सीडी पर संग्राम शुरू हो गया है। यू-ट्यूब पर वायरल इस वीडियो में जो शख्स दिखाई दे रहा है, उसे पाटीदार नेता हार्दिक पटेल बताया जा रहा है। सीडी पर हंगामा बढ़ने के बाद इसे जारी करने वाले अश्विन सांकड़सरिया नाम के शख्स सामने आया और दावा किया कि उसके पास हार्दिक पटेल के कई साथियों की भी सीडी है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्पलेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तासीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) **E-mail: krantisamay@gmail.com**